Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

Theory of Motivated forgetting

कु इस सिद्धांत का प्रतिपादन Freud द्वारा किये गये observations एवं उनके व्यक्तिगत- अनुभवों के आधार पर किया गया है। उन्होंने बतलाया है कि प्रत्येक व्यक्ति को जिन्दगी में बहुत सी घटनाओं का सामना करना पड़ता है। उनमें से व्यक्ति दुःखद घटनाओं को जल्दी भूल जाता है। सचमुच में दुःखद घटनाओं को भूलने में व्यक्ति की अपनी इच्छा एवं motivation होती है। जब कई दुःखद अनुभूतियाँ व्यक्ति के मन में उत्पन्न होती हैं तो इनसे उसमें anxiety उत्पन्न हो जाती है। Freud के अनुसार व्यक्ति अपने खुद को इस anxiety से बचाने की कोशिश करता है। फलस्वरूप unconsciously ऐसी अनुभूतियों का वह दमन कर देता है। दमन करने से व्यक्ति को दुःखद अनुभूति चेतन से निकलकर अचेतन में चली जाती है, इस तरह के forgetting को motivated forgetting कहा जाता है।

Freud ने स्पष्ट रूप से कहा है "सभी- परिस्थितियों में विस्मरण का कारण अप्रसन्नता का अभिप्रेरक

है।

Freud के इस सिद्धांत से स्पष्ट है कि भूलने में हमारी इच्छा की प्रधानता होती है। उन्होंने यह भी कहा है कि हमलोग भूलते हैं क्योंकि हम भूलना चाहते हैं। दुःखद अनुभूतियों का जब चेतन से अचेतन में दमन हो जाता है, तो अनुभूतियाँ अचेतन में जाकर बिल्कुल ही समाप्त नहीं हो जाती हैं बल्कि वे सक्रिय रहती हैं और भिन्न-2 लक्षणों के रूप में व्यवहार में अभिव्यक्त होते हैं। ऐसे व्यावहारिक लक्षण उपर से अर्थहीन मालूम होते हैं, परन्तु वास्तव में इसका अर्थ होता है तथा वे दमित अनुभूतियों द्वारा नियंत्रित होती है। उदाहरणार्थ, आप किसी मित्र के घर पर उनसे मिलने जाते हैं और लौटकर आने पर पाते हैं कि रुमाल वहीं छूट गया है तो रुमाल का छूटना एक अर्थहीन घटना है, परन्तु Freud के अनुसार यह अर्थपूर्ण घटना है। संभव है अचेतन रूप से फिर अपने मित्र से दोबारा आप मिलने की इच्छा रखते हैं। Freud ने यह भी बतलाया कि दिन-प्रतिदिन के व्यावहारिक लक्षणों के अलावे दमित इच्छाओं एवं अनुभूतियों

की अभिव्यक्ति Dream, hypnosis and free association आदि में भी होता है।

Freud के अभिप्रेरणात्मक सिद्धांत की मान्यता आज भी मनोवैज्ञानिकों के बीच बनी हुयी है क्योंकि इस सिद्धांत का प्रयोगात्मक समर्थन अन्य सिद्धांतों के समान अधिक नहीं है, कहने प्रयोगात्मक समर्थन जो भी मिले भी हैं वे clinical evidence हैं। फलस्वरूप, यह सिद्धांत अन्य सिद्धांत के समान व्यापक नहीं हो पाया है।

=